

प्रेषक,

डॉ० उमाकान्त पंवार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,

पर्यटन निदेशालय,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 06 जनवरी, 2013

विषय:- श्री नन्दा देवी राजजात यात्रा 2013 के आयोजन हेतु विभिन्न निर्माण कार्यों को सम्पादित किये जाने के लिए राज्य आकस्मिकता निधि से धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-320/2-6-744/2011/2012, दिनांक 09 जनवरी, 2013 जिसके माध्यम से श्री नन्दा राजजात यात्रा 2013 से सम्बन्धित ₹ 25.22 करोड़ की तीन परियोजनायें पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार में स्वीकृति हेतु लम्बित होना तथा परियोजनाओं पर भारत सरकार द्वारा स्वीकृति की सैद्धान्तिक सहमति दिया जाना अवगत कराते हुए श्री नन्दा देवी राजजात यात्रा 2013 के आयोजन हेतु विभिन्न निर्माण कार्यों को सम्पादित किये जाने के लिए ₹ 12.00 करोड़ की नितान्त आवश्यकता के दृष्टिगत राज्य आकस्मिकता निधि से ₹ 12.00 करोड़ की मांग का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है। इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2012-2013 में श्री नन्दा देवी राजजात यात्रा 2013 के आयोजन हेतु विभिन्न निर्माण कार्यों को सम्पादित किये जाने के लिए ₹ 12.00 करोड़ की तात्कालिक आवश्यकता के दृष्टिगत राज्य आकस्मिकता निधि से ₹ 12.00 करोड़ (रुपये बारह करोड़ मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(1) उपरोक्त आयोजन हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि को भारत सरकार में लम्बित परियोजनाओं की स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त तत्काल प्राप्ति लेखाशीर्षक के अन्तर्गत राजकोष में जमा करवाया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(2) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जोकि भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय में स्वीकृत हेतु लम्बित है तथा नन्दाराज राज यात्रा के लिए नितान्त उपयोगी है।

2- उक्त धनराशि को राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में आहरित करके उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद के नाम से देहरादून स्थित कोषागार में खुले पी0एल0ए0 खाते में जमा करते हुए योजनाओं के प्रस्ताव जिलाधिकारी चमोली से प्राप्त कर शासन की प्रशासनिक स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

3- उपर्युक्त धनराशि का व्यय शासनादेशों तथा वित्तीय नियमों/प्राविधानों के अनुसार ही किया जाय तथा जहाँ आवश्यक हो वहाँ व्यय करने से पूर्व, सक्षम स्तर से स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय। मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय। प्रत्येक मदों में व्यय शासन के मानक के अनुसार किया जायेगा।

4- उक्त धनराशि पर्यटन विभाग के देहरादून मुख्यालय के आहरण-वितरण अधिकारी द्वारा आहरित की जायेगी तथा जारी स्वीकृति के सापेक्ष व्यय का विवरण निर्धारित प्रपत्र बीएम-13 पर नियमित रूप से महालेखाकार एवं शासन को विलम्बतः प्रतिमाह 20 तारीख तक (पूर्व माह की सूचना) उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

5- कार्यदायी संस्था द्वारा नियमित रूप से पर्यटन विभाग तथा शासन को वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से अवगत कराया जायेगा। संतोषजनक वित्तीय एवं भौतिक प्रगति के उपरान्त ही अगली किश्त का भुगतान किया जायेगा।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में प्रथमतया "8000- आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि लेखा-201 समेकित निधि को विनियोजन" तथा अन्ततः अनुदान संख्या-26 के लेखाशीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-आयोजनागत-001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-उत्तराखण्ड राज्य पर्यटन विकास परिषद-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के मानक मद के नामों डाला जायेगा।

7- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-SI 302990026 द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,

(डॉ० उमाकान्त पंवार)
सचिव।

वित्त विभाग

संख्या:- 15/XXVII(1)/रा0आक0निधि/2013, दिनांक 23 जनवरी, 2013

प्रतिलिपि महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग माजरा, देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

(एल0एन0 पन्त)
अपर सचिव, वित्त।

संख्या:- 57 /VI(1)/2013-02(02)/2013, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 5- जिलाधिकारी, चमोली।
- 6- वित्त अनुभाग-2/वित्त अनुभाग-1. उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमित सिंह नेगी)
अपर सचिव।